शेयर ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफे का लालच देकर लाखों की ठगी करने वाला साइबर अपराधी गिरफ्तार

- फर्जी मोबाइल एप व वेबसाइट के जरिए बनाते थे लोगों को शिकार।
- सोशल मीडिया एप्स से प्रचार कर लोगों को जोड़ा जाता था विभिन्न वाट्सअप ग्रुप्स में।
- अभियुक्त ने अपने नाम पर खोले थे फर्जी फर्म एकाउंट।
- फर्जी वेबसाइट व एप पर दिख रहे फर्जी धनराशि को लेने के लिए बार- बार रूपए डालने के लिए किया जाता था मजबूर।
- कानपुर में ही दो लोगों को ठगने पर साइबर क्राइम थाने में दर्ज हुए थे दो मुकदमे
- साइबर क्राइम थाने की टीम ने किया घटना का अनावरण।

कानपुर – घटनाक्रम के मुताबिक दामोदर नगर थाना बर्रा निवासी धर्मेन्द्र कुमार वर्मा को सोशल मीडिया पर ट्रेडिंग में प्रोफिट का प्रचार दिखा जिस पर क्लिक करने पर उन्हे एक वाट्सग्रुप मिला। वाट्सअप ग्रुप में पहले से जुड़े लोगों को ट्रेडिंग में इंवेस्टमेंट करने पर छोटे-छोटे प्रोफिट ग्रुप में ही शेयर किए जाते थे जिसे देखकर पीड़ित धर्मेन्द्र कुमार प्रधान को इस पर विश्वास हो गया। बाद में पीडित को RK TRADING नामक एप पर भी लाग-इन कराया गया जहाँ उन्हे यह बताया गया कि उन्होने ज्यादा कमीशन दिया जा रहा है इसी पर विश्वास करके पीडित अपने खाते से CROWN WORLD नामक फर्म एकाउंट में पैसा डालता रहा। लेकिन जब कुछ दिन बाद पीडित को कोई पैसे नही मिले और उसे सारे ग्रुप्स से हटा दिया गया तो पीडित को अपने साथ हुए साइबर ठगी का एहसास हुआ और पीड़ित ने साइबर थाने में मु0अ0सं0 12/2024 धारा 420 भादवि व 66 डीआईटी एक्ट पंजीकृत कराया। इसी प्रकार शास्त्रीनगर निवासी धर्मेन्द्र आडवानी के साथ भी ऐसे ही ट्रेडिंग में ही इंवेस्टमेंट का लालच देकर 23 लाख 5 हजार रूपए की ठगी की गयी यह पैसा भी वादी से CROWN WORLD नामक उपरोक्त खाते में ही भेजा गया। पीडित धर्मेन्द्र आडवानी ने इस सम्बन्ध में साइबर थाने में मु0अ0सं0 21/2024 धारा 420 भादवि व 66 डीआईटी एक्ट पंजीकृत कराया था।

साइबर थाने में मुकदमा दर्ज होते ही साइबर टीम ने त्वरित कार्यवाही शुरू की और सभी लाभार्थी बैंक खाते को फ्रीज कराया और अभियुक्त पवन दुबे पुत्र राकेश दुबे निवासी सुभाष नगर , ताजपुर रोड, सिढ़पुरा, थाना सिढ़पुरा जनपद कासगंज को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार अभियुक्त पवन दुबे उपरोक्त ने पूछताछ में बताया कि मै कासगंज में रहता था औऱ बरेली में इलेक्ट्रिक बोर्ड आदि का काम करने बरेली जाया करता था वहीं मेरी मुलाकात कुछ लोगों से हुई जिन्होने मुझे शेयर ट्रेडिंग के लिए फर्म के बैंक खाते खुलवाने के लिए कहा औऱ मैने फर्जी फर्म दिखाकर खाते खुलवाए थे मेरे ऐसे कई औऱ खाते हैं जिसमें आने वाले पैसों के शेयर मुझे उनके द्वारा मिल जाया करते थे। जिसके बाद मैने अपने जानने वाले और लोगों से खाते खुलवाने के लिए लोगों से कहा था। साइबर कम्पलेन होने के कारण मेरे कई खाते फ्रीज भी हो गए थे। जिन्हे अनफ्रीज कराने के लिए मै कानपुर आया था जहाँ अभियुक्त पवन दुबे उपरोक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

गिरफ्तार करने वाली टीम– निरीक्षक हरमीत सिंह, उ0नि0 पुनीत तोमर, उ0नि0 हरेन्द्र कुमार ,उ0नि0 पवन प्रताप, , हे0का0 फिरोज बदर, का0 अभिषेक, का0 शुभम।